निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में कामकाजी महिलाओं का परिवार तथा कार्यस्थल में समायोजन का अध्ययन किया गया। समायोजन से संबन्धित प्राप्त प्रदत्त का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकीय के आधार पर किया गया। प्राप्त परिणाम में पुलिस विभाग में कार्यरत महिलाओं में शिक्षिकाओं और महिला डॉक्टरों की तुलना में अपेक्षाकृत कार्य का तनाव अधिक पाया गया, जिसके कारण वो समायोजन करने में असहजता का अनुभव करती हैं। ऐसा संभवतः इसलिए हो सकता है कि कार्य की प्रकृति का परिवर्तनीय होना अथवा कार्य के समय का ज्यादा होना। इसके साथ ही संयुक्त परिवार से संबन्धित महिला पुलिसकर्मियों में कार्य का तनाव ज्यादा पाया गया, क्योंकि उनको परिवार के सभी सदस्यों के साथ ज्यादा समय व्यतीत करना पड़ता है। जिसके कारण वह अपने कार्यों में ध्यान नहीं दे पाती हैं तथा कार्य के तनाव का अनुभव करती हैं। एकल परिवार से संबन्धित महिला पुलिसकर्मियों में भी कार्य का तनाव अधिक पाया गया। संभवतः पारिवारिक कार्यों में उचित सहयोग न मिल पाने के कारण उनका ध्यान घर के कार्यों/जिम्मेदारियों पर बट जाता है जिसके कारण वह कार्य को ठीक ढंग से नहीं कर पातीं एवं तनाव का अनुभव करती है।

इसी प्रकार शिक्षिकाएँ एवं महिला डॉक्टर, परिवार और जीवनसाथी के साथ अपने संबंधों को सहज रूप से निभा पाती हैं, पारिवारिक मुद्दों पर परिवार के सदस्यों के साथ बात करती हैं तथा पारिवारिक मामलों में निर्णय लेने में सक्षम रहती है। वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ मतभेदों को भी सुलझा पाती हैं। साथ ही अपने परिवार के सदस्यों के बीच समायोजन स्थापित कर अपने परिवार को एकजुट रखती हैं। जबकि पुलिस महिलाकर्मी परिवार तथा कार्यस्थल दोनों में समायोजन स्थापित करने में अपेक्षाकृत कठिनाई का अनुभव करती हैं।